बच्चों का आकलन पोर्टफ़ोलियो द्वारा

एम. श्रीनिवास राव

"बुनियादी स्तर के लिए उपयुक्त आकलन के दो व्यापक तरीके हैं – बच्चों का अवलोकन और बच्चों द्वारा अपने अनुभव के अनुरूप प्रस्तुत किए गए कार्यों या कृतियों (artefacts) का विश्लेषण करना।"

स्रोत : फ़ाउंडेशनल स्टेज के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा। खण्ड 6.2 आकलन के तरीक़े और उपकरण। पेज - 173

इस लेख में, मैंने 'कृतियों के विश्लेषण' (analysing artefacts) विषय के अन्तर्गत, 'बच्चों के पोर्टफ़ोलियो' कैसे बनाएँ और उसका आकलन में कैसे इस्तेमाल करें इसका वर्णन किया है।

प्रारम्भिक बाल्यावस्था शिक्षा (Early Childhood Education - ECE) के सन्दर्भ में, एक विशिष्ट अवधि में बच्चे की वृद्धि, विकास और सीखने को प्रदर्शित करने वाले दस्तावेज़ी साक्ष्य और सामग्री के संग्रह को पोर्टफ़ोलियो कहते हैं। पोर्टफ़ोलियो का मुख्य उद्देश्य आकलन है। यह बच्चे की स्थिति और प्रगति समझने, निर्देश बताने और बच्चों की प्रगति के बारे में बताने और बातचीत करने में मदद करता है। इसके अतिरिक्त, यह उन बच्चों की पहचान करने में मदद करता है जिन्हें विशेष सहायता की आवश्यकता हो सकती है। पोर्टफ़ोलियो बच्चों की क्षमताओं, रुचियों और ज़रूरतों के बारे में भी जानकारी प्रदान करते हैं।

शिक्षक को कुछ ख़ास प्रतिफलों को ध्यान में रखकर बच्चे के पोर्टफ़ोलियो का विश्लेषण करना चाहिए और बच्चे की क्षमताओं के सामने उसकी प्रगति को दर्ज करना चाहिए। बच्चे के पोर्टफ़ोलियो में अपेक्षित प्रतिफलों को व्यवस्थित और स्पष्ट रूप से दर्शाया जाना चाहिए। प्रत्येक बच्चे के पास अपनी प्रासंगिक कृतियों को सहेजने के लिए अपना एक अलग फ़ोल्डर होना चाहिए।

स्रोत : फ़ाउंडेशनल स्टेज के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा। खण्ड 6.2 आकलन के तरीक़े और उपकरण। पेज 178

बच्चों के पोर्टफ़ोलियो के प्रमुख पहलू

पोर्टफ़ोलियो आइटम बच्चों की उम्र और उनके विकास, तथा कार्यक्रमों और पाठ्यक्रम के लक्ष्यों के अनुरूप होते हैं। आइटम जानकारीपरक, आसानी से सहेजे जा सकने वाले और सार्थक तरीक़े से कक्षा की गतिविधियों को दर्शाने वाले होने चाहिए। पोर्टफ़ोलियो में नीचे सुझाए गए आइटम शामिल किए जा सकते हैं :

1. सामान्य और व्यक्तिगत जानकारी : सामान्य विवरण, जैसे बच्चे का नाम और जन्मतिथि, माता-पिता के नाम और पृष्ठभूमि की जानकारी, बच्चे के बड़े/छोटे भाई-बहन, पसन्द-नापसन्द, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि आदि।
2. स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी : बच्चे की ऊँचाई, वज़न, वृद्धि, टीकाकरण जैसी स्वास्थ्य और सेहत सम्बन्धी जानकारी।
3. गतिविधि पुस्तकें और कार्य नमूने : गतिविधि पुस्तकें और वर्कशीट जिन पर बच्चे द्वारा कार्य किया जा रहा है। बच्चे का कक्षा कार्य जैसे ड्राइंग, पेंटिंग, चित्रकारी, कोलाज कार्य और गतिविधि की तस्वीरें आदि किसी फ़ाइल या स्क्रैपबुक में रखे जा सकते हैं।
4. आकलन आइटम : अवलोकन रिकॉर्ड, चेकलिस्ट, सीखने की प्रक्रिया से जुड़े क़िस्से, उनका विवरण, समय और साक्ष्य।
5. डिजिटल संसाधन : बच्चे के उल्लेखनीय कार्य या खेल में सहभागिता की तस्वीरें और वीडियो।
6. शिक्षक का चिन्तन : समय के साथ बच्चे द्वारा अर्जित ज्ञान पर शिक्षक की टिप्पणी/चिन्तन, जो भविष्य के विकास और सीखने के अवसरों की योजना बनाने में मदद करता है।
7. समग्र प्रगति कार्ड (Holistic Progress Card - HPC) : एनईपी 2020 सुझाव देता है कि HPC एक ऐसी, 360-डिग्री 'बहुआयामी रिपोर्ट है जो प्रत्येक बच्चे की प्रगति का विस्तृत विवरण देगी, साथ-ही-साथ संज्ञानात्मक, भावनात्मक और साइकोमोटर डोमेन (psychomotor domains) में प्रत्येक बच्चे की विशिष्टता को भी दर्शाएगी'। (para 4.35)[i] इसमें न केवल शिक्षक द्वारा किया गया आकलन शामिल हो सकता है, बल्कि माता-पिता द्वारा टिप्पणियाँ और बच्चों द्वारा स्वयं का सरल आत्म-आकलन भी शामिल हो सकता है।

बच्चों के पोर्टफ़ोलियो को व्यवस्थित करना

बच्चों द्वारा बनाई गईं वस्तुओं और कार्य नमूनों में भाषा सम्बन्धी, संज्ञानात्मक, सामाजिक-भावनात्मक, रचनात्मक, शारीरिक और सेहत सम्बन्धी सभी डोमेन शामिल होने चाहिए। कार्य के नमूनों को डोमेन-वार और कालक्रमबद्ध तरीक़े से व्यवस्थित करना ज़रूरी है। शिक्षक को बच्चे के काम की तारीख़ और उसका अपने काम के बारे में वर्णन दर्ज करना चाहिए। नीचे नमूने के तौर पर कुछ प्रश्न दिए गए हैं जिन्हें पूछकर शिक्षक बच्चे को उसके द्वारा किए गए कार्य पर विचार और बात करने में सक्षम बना सकते हैं।

1. मुझे बताओ कि आपने यहाँ क्या किया है।
2. मुझे बताओ/दिखाओ कि आपने यह कैसे किया?
3. आपने चित्र बनाने/लिखने/वस्तु बनाने... का निर्णय क्यों लिया?
4. जब आपने चित्र बनाया/लिखा/चीज़ बनाई... तो आप क्या सोच रहे थे?
5. आपको इसमें क्या पसन्द है?

समय-समय पर, शिक्षक बच्चे के पिछले काम पर वापस जा सकते हैं और उनसे सुधार करने या इसे अलग तरीक़े से करने के लिए कह सकते हैं :

1. क्या आप इसमें कुछ बदलाव करना चाहते हैं?
2. यदि आपको दोबारा इसे करना पड़े तो आप अलग तरीक़े से क्या करेंगे?

पोर्टफ़ोलियो का उपयोग

बच्चे का पोर्टफ़ोलियो तैयार होने के बाद शिक्षक बच्चे की उपलब्धियों का आकलन कर सकते हैं। एक यथोचित आकलन में बच्चे के वर्तमान कार्य की तुलना उसके पूर्व कार्य से की जाती है। इस आकलन से बच्चे की प्रगति का संकेत मिलना चाहिए जो पाठ्यक्रम और उचित विकास सम्बन्धी अपेक्षाओं के अनुरूप हो। उदाहरण के लिए, एक शिक्षक ने बच्चे के कार्य के अवलोकन के आधार पर एक बच्चे में उँगलियों की पकड़ और नियंत्रण (Motor skill) में कमी की पहचान की। इससे शिक्षक को बच्चे के लिए एक लक्ष्य निर्धारित करने में मदद मिली, और बच्चे को तीनों दीवार पर बने ब्लैकबोर्ड पर चित्र बनाने और काग़ज़ या फ़र्श पर शिक्षक द्वारा बीज से रेखांकित आकृति को रंगने के माध्यम से इस कौशल को बेहतर करने के अवसर प्रदान किए गए। ऐसा करने से कुछ समय बाद के उसी कार्य को करने में बच्चे के मोटर (motor) कौशल में बढ़िया सुधार दिखा।

पोर्टफ़ोलियो का उपयोग बच्चों की एक-दूसरे से तुलना करने के लिए नहीं होना चाहिए। इसमें समय के साथ एक बच्चे में हुई प्रगति का दस्तावेज़ीकरण होता है। बच्चे की उपलब्धि, क्षमताओं, ताक़त, कमज़ोरियों और ज़रूरतों के बारे में शिक्षक के निष्कर्ष बच्चे के सम्पूर्ण विकास पर आधारित होने चाहिए। शिक्षक के निष्कर्ष का आधार पोर्टफ़ोलियो में मौजूद डेटा, और पाठ्यक्रम और विकास चरणों के बारे में शिक्षक की समझ होनी चाहिए। पोर्टफ़ोलियो शिक्षक को प्रत्येक बच्चे की विशिष्ट विशेषताओं और सीखने के तरीक़ों की पहचान करने और कक्षा में बच्चे की सीखने में सहायता में मदद करता है।

पालक-शिक्षक मीटिंग के दौरान पोर्टफ़ोलियो का उपयोग करते हुए शिक्षक और माता-पिता बच्चे की प्रगति पर सामान्य चर्चा करने के बजाय बच्चे के काम के ठोस उदाहरणों को लेकर चर्चा कर सकते हैं।

1. पोर्टफ़ोलियो बच्चे की उपलब्धियों के बारे में माता-पिता, परिवार के अन्य सदस्यों और भविष्य में प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों के साथ बहुमूल्य जानकारी साझा करने का माध्यम बनता है।
2. पोर्टफ़ोलियो प्री-स्कूल से प्राइमरी स्कूल की स्थानान्तरण प्रक्रिया को सहज बनाता है। यह ECE का एक मूल्यवान संसाधन है क्योंकि यह बच्चे के विकास को समग्रता से देखता है, और यह सुनिश्चित करने में मदद करता है कि शैक्षिक प्रक्रियाएँ और देखभाल के तरीक़े प्रत्येक बच्चे की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप हैं या नहीं।
3. पोर्टफ़ोलियो आँगनवाड़ी केन्द्र/प्री-स्कूल, घर और समुदाय में बच्चे की उपलब्धियों का एक सकारात्मक विवरण है।

चित्र-1 : *कक्षा में बच्चों के पोर्टफ़ोलियो बैग।*

4. बच्चों के पोर्टफ़ोलियो माता-पिता को उनके बच्चे की शिक्षा और विकास में शामिल करने के एक सार्थक तरीक़े के रूप में काम कर सकते हैं।

शिक्षक की भूमिका

शिक्षक को आकलन का उपयुक्त तरीक़ा और आकलन-सम्बन्धित रिकॉर्ड की आवधिकता (periodicity) को चुनने की स्वायत्तता होनी चाहिए। बच्चों के आकलन का व्यवस्थित रिकॉर्ड रखना एक शिक्षक की पेशेवर ज़िम्मेदारियों का हिस्सा है लेकिन इस कार्य को बोझिल बनाए बगैर स्वायत्तता के साथ क्रियान्वित करने की ज़रूरत है।

एक सटीक आकलन प्रारम्भिक बाल्यावस्था शिक्षा के शिक्षकों को बच्चे की प्रगति को इस तरह से दर्शाने की अनुमति देता है कि वह बच्चे, परिवार, शिक्षकों और प्रशासकों के लिए फ़ायदेमन्द हो। सटीक आकलन करने के लिए शिक्षक को निम्नलिखित कार्य करने होंगे :

1. बच्चों के घर जाएँ और उनके माता-पिता से प्रत्येक बच्चे का पूरा विवरण प्राप्त करें।
2. प्रोफ़ाइल शीट तैयार करें, प्रत्येक बच्चे के काम के नमूने व्यवस्थित रूप से एकत्र करें।
3. सभी बच्चों को समान अवसर प्रदान करें।
4. बच्चों को गतिविधियाँ करने के लिए आवश्यक सामग्री और समय प्रदान करें। साथ ही समय के साथ किसी एक योग्यता में आई प्रगति का आकलन करने के लिए उन्हें उससे सम्बन्धित कार्य के लिए पर्याप्त अवसर भी प्रदान करें।
5. बच्चों की गतिविधियों का निरीक्षण करें। इन्हें चेक लिस्ट, क़िस्सों/बातों और घटना के नमूनों आदि के रूप में दर्ज करें और बच्चों के विकास के लिए आवश्यक योजनाएँ बनाएँ।
6. प्रत्येक बच्चे के बारे में उनके विचारों को रिकॉर्ड करें और इन्हें ध्यान में रखते हुए उनकी कक्षा की योजना बनाएँ।

निष्कर्ष

पोर्टफ़ोलियो प्रत्येक बच्चे की प्रगति को समझने और दस्तावेज़ीकरण करने में प्रारम्भिक बाल्यावस्था पेशेवरों के लिए उपयोगी और प्रभावी माध्यम है। हर बच्चे के अपने पोर्टफ़ोलियो होते हैं, और इसमें बच्चे के अपने पर्यावरण, सामग्री, सहपाठियों और शिक्षकों के साथ जुड़ाव से सम्बन्धित सामग्री दर्ज की जा सकती है। पोर्टफ़ोलियो रिपोर्टिंग और योजना बनाने, दोनों के लिए व्यावहारिक और उपयोगी है; उनका रूप और स्वरूप छोटे बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के शैक्षिक कार्यक्रमों के अनुरूप बदल सकता है। यह व्यवस्थित तरीक़ा शिक्षकों को फ़ाउंडेशनल स्टेज के अन्त तक बच्चों के लिए पाठ्यचर्या, लक्ष्यों को हासिल करने और अगले चरण की ओर सहज रूप से ले जाने में मददगार है।

Endnotes

i National Education Policy 2020. Transforming Assessment for Student Development. Para 4.35. p 17

एम. श्रीनिवास राव अज़ीम प्रेमजी फ़ाउंडेशन, तेलंगाना के राज्य प्रमुख हैं। वे 2004 से फ़ाउंडेशन में हैं और कई शुरुआती बड़े कार्यक्रमों का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने संगारेड्डी और राज्य की अन्य जगहों पर प्रारम्भिक बाल्यावस्था शिक्षा (ईसीई) पहल का नेतृत्व किया है। वे वर्तमान में फ़ाउंडेशन के कार्यक्रमों के प्रभाव आकलन के कार्य का नेतृत्व कर रहे हैं। उनसे *msr@azimpremjifoundation.org* पर सम्पर्क किया जा सकता है।

अनुवाद : सन्दीप दुबे **पुनरीक्षण :** उमा सुधीर **कॉपी एडिटर :** अफसाना पठान